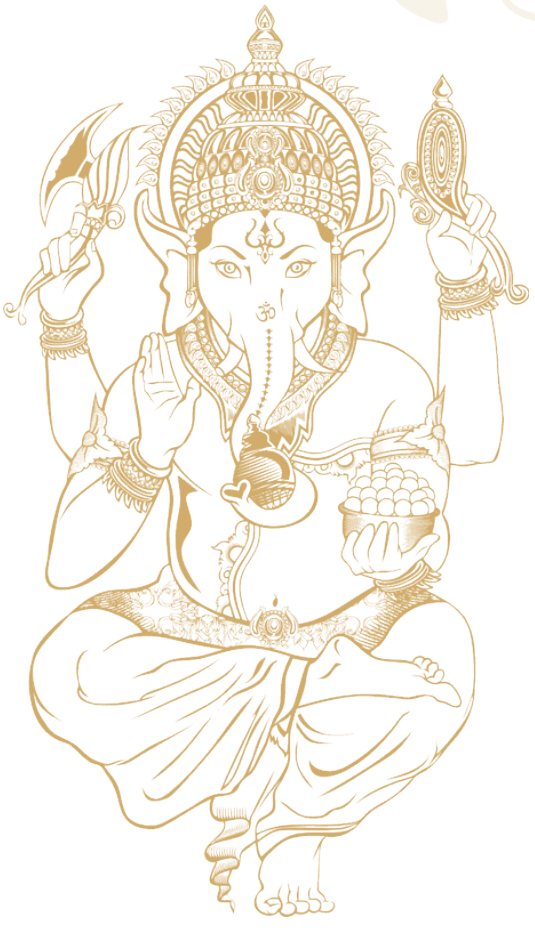

Rohan agarwal

Subhangi agarwal

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121889205

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
22/09/1994	जन्म तिथि	8-09/03/1996
गुरुवार	दिन	शुक्र-शनिवार
घंटे 07:42:00	जन्म समय	02:53:00 घंटे
घटी 03:51:35	जन्म समय(घटी)	50:35:12 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Kanpur
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	26:27:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	80:19:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:08:44 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:09:21	सूर्योदय	06:25:39
18:19:20	सूर्यास्त	18:13:42
23:47:13	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:20

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
केतु 6वर्ष 9मा 8दि	24:36:42	कन्या	लग्न	धनु	20:53:29	मंगल 0वर्ष 1मा 28दि
सूर्य	05:04:02	कन्या	सूर्य	कुंभ	24:47:17	गुरु
30/06/2021	00:26:00	मेष	चंद्र	तुला	06:21:25	07/05/2014
01/07/2027	28:55:34	मिथु	मंगल	कुंभ	23:52:04	07/05/2030
सूर्य 18/10/2021	00:41:27	तुला	बुध	कुंभ	08:28:11	गुरु 25/06/2016
चन्द्र 19/04/2022	19:35:26	तुला	गुरु	धनु	19:11:48	शनि 06/01/2019
मंगल 25/08/2022	16:52:20	तुला	शुक्र	मेष	09:18:55	बुध 13/04/2021
राहु 19/07/2023	13:43:27	कुंभ व	शनि	मीन	02:33:52	केतु 20/03/2022
गुरु 06/05/2024	21:46:00	तुला व	राहु	कन्या	23:29:07	शुक्र 18/11/2024
शनि 18/04/2025	21:46:00	मेष व	केतु	मीन	23:29:07	सूर्य 06/09/2025
बुध 23/02/2026	28:38:34	धनु व	हर्ष	मक	09:18:29	चन्द्र 06/01/2027
केतु 01/07/2026	26:49:04	धनु व	नेप	मक	03:14:15	मंगल 13/12/2027
शुक्र 01/07/2027	02:06:34	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	09:18:27	राहु 07/05/2030

लग्न-चलित

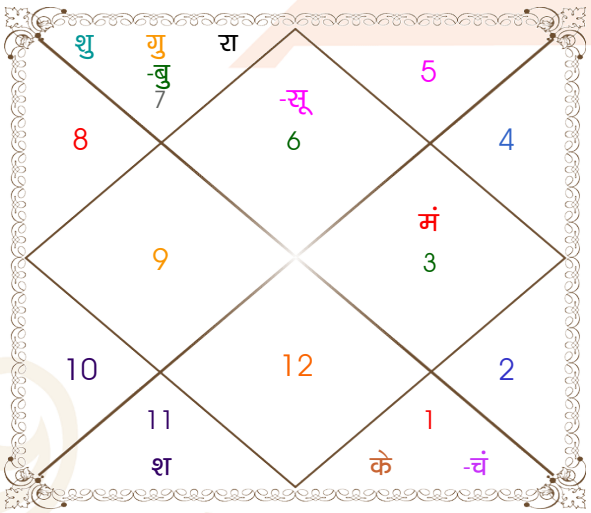

लग्न-चलित

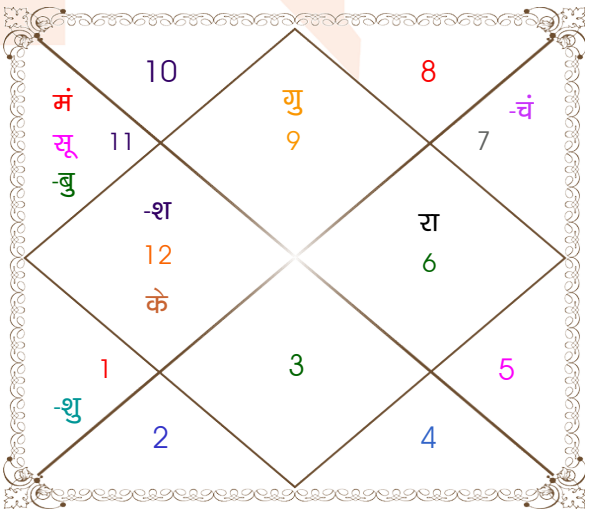

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	अश्व	व्याघ्र	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शुक्र	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	तुला	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.50		

त्वींद ंहंतूंस का वर्ग सिंह है तथा ैनईंदहप ंहंतूंस का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गो में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार त्वींद ंहंतूंस और ैनईंदहप ंहंतूंस का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

त्वींद ंहंतूंस मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

ैनईंदहप ंहंतूंस मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

त्वींद ंहंतूंस तथा ैनईंदहप ंहंतूंस में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।